अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 बेकाबू हो सकता है युद्ध,मध्य पूर्व में तनाव चरम पर...
6 विवाह पूर्व कुंडली मिलान से ज्यादा जरूरी है सिकल सेल कार्ड का मिलान - राज्यपाल श्री पटेल...
7 यशस्वी जायसवाल ने तोड़ा वीरेंद्र सहवाग का 16 साल पुराना कीर्तिमान ...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-34 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 01 अक्टूबर से 07 अक्टूबर 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

भगवान को राजनीति से दूर रखिए... तिरुपति लड्डू केस में सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र सरकार से क्या पूछा?

सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति लड्डू विवाद पर सुनवाई करते हुए कहा कि देवताओं को राजनीति से दूर रखना चाहिए। अदालत ने आंध्र प्रदेश सरकार से पूछा कि एसआईटी जांच के आदेश के बाद प्रेस में जाने की क्या जरूरत थी। विवाद में लड्डू में मिलावट का आरोप है।

तिरुपति/नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति लड्डू विवाद पर सुनवाई करते हुए कहा कि देवताओं को राजनीति से दूर रखना चाहिए। यह मामला आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी सरकार के कार्यकाल के दौरान तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले घी में मिलावट के आरोपों से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार से पूछा कि जब उसने मामले की एसआईटी जांच के आदेश दिए थे, तो प्रेस के पास जाने की क्या जरूरत थी? कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि एसआईटी जांच के नतीजे आने तक प्रेस के पास जाने की क्या जरूरत थी?

कैसे शुरू हुआ विवाद?

दरअसल यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब तिरुमाला मंदिर ट्रस्ट को गाय के घी की सप्लाई के नमूनों की लैब जांच में लार्ड (सूअर की चर्बी), टैलो (भेड़ की चर्बी) और मछली के तेल की मौजूदगी का पता चला। यह घी तिरुपति के प्रसिद्ध लड्डू प्रसाद बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। इसके बाद कई लोगों ने मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर हिंदू धार्मिक संस्थाओं को सौंपने की मांग की।

देवताओं को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार के वकील से कहा कि लैब रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि जिस घी का परीक्षण किया गया था, वह खराब घी था। कोर्ट ने यह भी कहा कि देवताओं को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। वहीं तिरुपति लड्डू विवाद पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि यह आस्था का मामला है। अगर मिलावटी घी का इस्तेमाल किया गया है तो यह अस्वीकार्य है।

याचिका में क्या?

इस हफ्ते की शुरुआत में बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी और तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व अध्यक्ष और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी से राज्यसभा सांसद वाईवी सुब्बा रेड्डी ने याचिकाएं दाखिल की हैं। इन याचिकाओं पर जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ सुनवाई कर रही है।

हसन नसरल्लाह की मौत पर लखनऊ से कश्मीर तक प्रदर्शन, नेताओं ने क्या कहा?

हिज़्बुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की मौत की ख़बर का असर भारत में भी देखा गया है.

पहले कश्मीर घाटी में लोगों के विरोध प्रदर्शन की ख़बर आई. फिर भारत में शिया समुदाय का केंद्र कहे जाने वाले लखनऊ में भी हुए प्रदर्शन में कई हज़ार लोग शामिल हुए.इस विरोध प्रदर्शन के दौरान इसराइल के प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू का पुतला भी फूंका गया.मोटे तौर पर अनुमान लगाया जाता है कि भारत में क़रीब दो करोड़ शिया मुसलमान रहते हैं और इनकी बड़ी आबादी लखनऊ में रहती है.

पीएम आवास योजना का नया सर्वे अगले हफ्ते शिवराज बोले- दो पहिया वाहन, मोबाइल, 15 हजार की आमदनी पर भी मिलेंगे आवास

केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए अक्टूबर के पहले हफ्ते से नए सिरे से सर्वे शुरू होगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने अपात्रता की चार शर्तें हटा दी हैं। जो शर्तें हटाई गई हैं, उसके बाद मोटर साइकिल, फोन और 10 हजार की आमदनी रखने वाले लोगों को भी योजना में आवास मिल सकेंगे। साथ ही, किसानों को भी इस योजना का लाभ देने के लिए शर्तों में रियायत दी गई है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने ये बातें सोमवार को मीडिया से चर्चा में कहीं। उन्होंने सोमवार सुबह मुख्यमंत्री निवास मे सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की थी। शिवराज ने कहा कि मुलाकात के दौरान केंद्र की योजनाओं का लाभ कैसे एमपी के लोगों को अधिकतम मिले, इस पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि साल 2018 में आवास प्लस का सर्वे हुआ था। अब अगले महीने फिर सर्वे शुरू होगा, जिसमें जो लोग पात्रता की श्रेणी से बाहर थे, उन्हें भी पीएम आवास मिलने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

ये शर्तें हटाई गईं

पहले दो पहिया वाहन रखने वालों को पीएम आवास नहीं मिलते थे। अब जिनके पास दो पहिया हैं, वे पात्रता की श्रेणी में आएंगे।

पहले जिनकी आमदनी दस हजार से ज्यादा हो तो पीएम आवास नहीं देते थे। अब लखपति दीदी बना रहे हैं, इसलिए तय किया है कि 15 हजार तक आमदनी पर भी मिलेगा।

पहले अगर किसी के पास फोन (मोबाइल) है, तो पीएम आवास की पात्रता नहीं थी। अब फोन है, तो भी लाभ मिल सकेगा।

यह भी तय हुआ है कि अगर किसी किसान के पास ढाई एकड़ तक सिंचित और पांच एकड़ तक असिंचित जमीन हो, तो पीएम आवास योजना का लाभ मिलेगा।

MUDA घोटाला मामले में बढ़ीं सिद्धारमैया की मुश्किलें, ED ने CM के खिलाफ दर्ज किया केस

MUDA घोटाला मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को सिद्धारमैया और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण से जुड़े धन शोधन के एक मामले में मामला दर्ज किया है.प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि हाल ही में राज्य लोकायुक्त की एफआईआर का संज्ञान लेते हुए ईडी ने मुख्यमंत्री और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए प्रवर्तन मामले की सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दायर की है.

संपादकीय

लेबनान में इस्राइली हमले में हसन नसरल्लाह की मौत हिज्बुल्ला के लिए बड़ा झटका है। इस्राइल के लिए यह बड़ी कामयाबी है, लेकिन क्षेत्र में शांति की संभावना कमजोर हुई है। हिज्बुल्ला ने संघर्ष जारी रखने का ऐलान किया है। ईरान की प्रतिक्रिया पर भी निगाहें टिकी हैं। लेबनान में शुक्रवार को हुए इस्राइली हमले में हसन नसरल्लाह का मारा जाना हिज्बुल्ला के लिए ऐसा झटका है, जिससे उबरना उसके लिए आसान नहीं होगा।

बेकाबू हो सकता है युद्ध,मध्य पूर्व में तनाव चरम पर

इस्राइली सेना और नेतन्याहू सरकार के लिए यह उतनी ही बड़ी कामयाबी है। अफसोस की बात यह है कि इस कथित झटके या कामयाबी के बाद भी इस क्षेत्र में शांति की संभावना मजबूत नहीं हुई है। इसके उलट संघर्ष के बेकाबू होने का खतरा बढ़ गया है।

टॉप लीडरशिप खत्म

पिछले तीन दशक से भी ज्यादा समय से हिज्बुल्ला का नेतृत्व कर रहा नसरल्लाह मध्यपूर्व के सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्वों में शुमार किया जाता था। उसकी कमी की जल्द भरपाई होना मुश्किल है। मगर हिज्बुल्ला के लिए यह इकलौता झटका नहीं है। हाल के हमलों में उसके एक दर्जन से ज्यादा टॉप के कमांडर मारे जा चुके हैं। बहुचर्चित पेजर और वॉकी टॉकी हमलों ने उसके इंटरनल कम्युनिकेशन सिस्टम को भी लगभग खत्म कर दिया है। ऐसे में खुद को समेटकर इस्राइल पर दोबारा वैसा ही हमला करना हिज्बुल्ला के लिए काफी मुश्किल होगा।

समर्पण के आसार नहीं

ताजा झटका कितना भी बड़ा हो, यह समझना गलत होगा कि इ स स` हिज्बुल्ला इस्राइल के सामने समर्पण कर देगा। पिछले कुछ दशकों में हिज्बुल्ला दुनिया का सबसे ताकतवर नॉन स्टेट एक्टर बन चुका है। उसके पास 1,50,000 से अधिक रॉकेट और मिसाइलें बताई जाती हैं। उसकी सैन्य ताकत किसी मिडल साइज के देश के बराबर मानी जाती है। हिज्बुल्ला ने कहा भी है कि वह इस्राइल के खिलाफ अपना अभियान जारी रखेगा।

इस्राइल का रवैया

कुछ समय पहले तक 12 देशों की ओर से प्रस्तावित युद्धविराम को लेकर जो भी बची-खुची उम्मीद थी, वह अब समाप्त हो गई है। ताजा कामयाबी ने इस्राइल का उत्साह और बढ़ा दिया है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या हिज्बुल्ला की मिसाइलों का खतरा समाप्त करने के बाद इस्राइल अपने सैनिकों को लेबनान में घुसने का आदेश देता है। अगर ऐसा हुआ तो यह एक और लंबी लड़ाई की शुरुआत साबित हो सकती है।

ईरान पर निगाहें

निगाहें ईरान पर भी टिकी हैं। वह पहले से नाराज है। तेहरान के एक गेस्टहाउस में हमास नेता इस्माइल हानिये की मौत का बदला भी उसे लेना है। नसरल्लाह की मौत उसके लिए भी झटका है। देखने वाली बात यह है कि उसकी प्रतिक्रिया कितनी और कैसी होती है।

भारत का रुख

जहां तक भारत की बात है तो बाकी पूरी दुनिया की तरह वह भी यही चाहेगा कि संघर्ष की यह आग ज्यादा न फैले। इंडिया-मिडल ईस्ट-यूरोप इकॉनमिक कॉरिडोर (ढ्ढरूश्वश्वष्ट) जैसे दूरगामी हितों को फिलहाल छोड़ दें तो भी युद्ध का बेकाबू होना भारत को ही नहीं, ग्लोबल इकॉनमी को भी चुनौतियों के भंवर में डाल सकता है। युद्ध के बेकाबू होने से तेल की कीमतें भी बढ़ सकती हैं, जिससे भारतीय इकॉनमी को नुकसान होगा।

संपादक-
गोपाल गावंडे

राजनीति

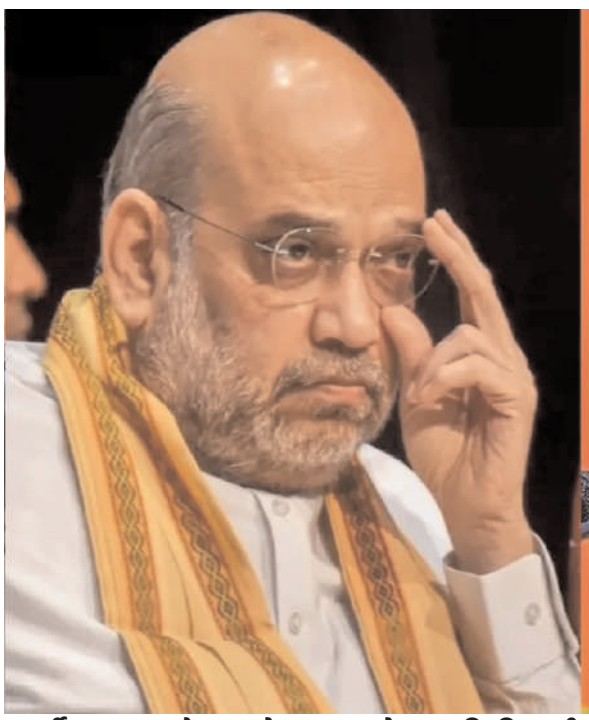

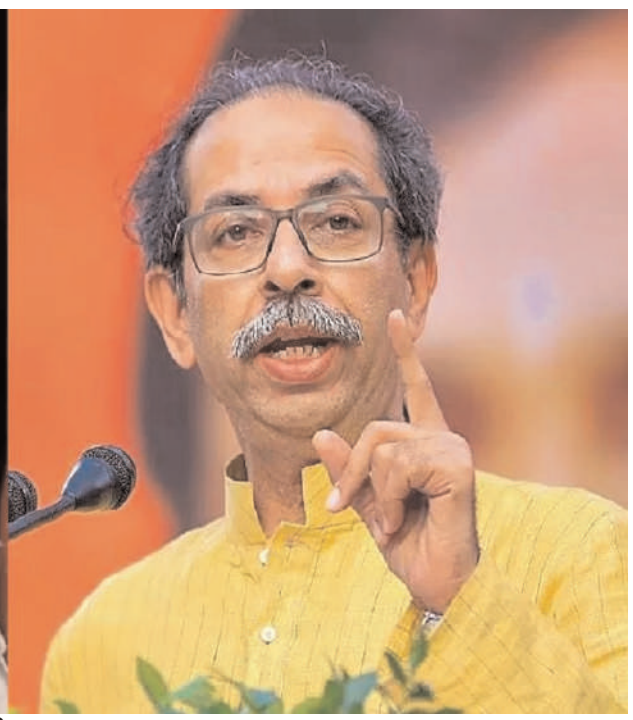

बंद कमरे में बैठक की, उद्धव ठाकरे का आरोप - महायुति गठबंधन में फूट डालना चाहते हैं अमित शाह

पूर्वी महाराष्ट्र के रामटेक शहर में छत्रपति शिवाजी महाराज की आदमकद प्रतिमा का उद्घाटन करने के बाद उद्धव ठाकरे ने कहा कि अमित शाह के निशाना पर वो और राकांपा (सपा) नेता शरद पवार थे। ठाकरे ने कहा कि उनके राजनीतिक भविष्य का फैसला जनता करेगी न कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी। उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा महाराष्ट्र को लूटना चाहती है।

रामटेक। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि एक बंद कमरे में हुई बैठक में भाजपा नेताओं को विपक्षी दलों को तोड़ने का निर्देश दिया था।

पूर्वी महाराष्ट्र के रामटेक शहर में छत्रपति शिवाजी महाराज की आदमकद प्रतिमा का उद्घाटन करने के बाद उद्धव ठाकरे ने कहा कि अमित शाह के निशाना पर वो और राकांपा (सपा) नेता शरद पवार थे। ठाकरे ने कहा कि उनके राजनीतिक भविष्य का फैसला जनता करेगी, न कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी।

महाराष्ट्र को लूटना चाहती है भाजपा-

उद्धव ठाकरे

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बंद कमरे की बैठक में भाजपा नेताओं को उन्हें (उद्धव) और शरद पवार को राजनीतिक रूप से रोकने का निर्देश दिया था।

उद्धव ठाकरे ने कहा,नागपुर की अपनी हालिया यात्रा के दौरान, अमित शाह ने भाजपा नेताओं के साथ एक बंद कमरे में बैठक की, जहां उन्होंने उनसे विपक्षी दलों को विभाजित करने और मुझे और शरद पवार को राजनीतिक रूप से रोकने के लिए कहा। वो उद्धव ठाकरे और शरद पवार को राजनीतिक रूप से क्यों खत्म करना चाहते हैं ताकि भाजपा महाराष्ट्र को लूट सके।

उद्धव ठाकरे ने कहा, मोहन भागवतजी, क्या आप भाजपा के हिंदुत्व से सहमत हैं? इस भाजपा में गुंडे आ रहे हैं, भ्रष्ट लोग आ रहे हैं। क्या आप इससे सहमत हैं? अगर मेरे लोग मुझे घर बैठने को कहेंगे तो मैं घर बैठ जाऊंगा, लेकिन अगर दिल्ली से कोई मुझे घर बैठने को कहेगा तो मेरे लोग उसे घर बैठा देंगे। हमारी सरकार आने के बाद मैं महाराष्ट्र में चल रही लूट को बंद कर दूंगा।

सब कुछ गुजरात ले जाया जा रहा है- उद्धव ठाकरे

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने आगे कहा कि सब कुछ (प्रोजेक्ट) गुजरात में है। जब मैं सीएम था, क्या आपने एक भी खबर सुनी कि यहां से कोई प्रोजेक्ट गुजरात गया? पिछले ढाई साल में, जब से यह मिंडे (शिंदे) वहां गया है, कितने सारे उद्योग गुजरात चले गए हैं। सब कुछ गुजरात ले जाया जा रहा है। मुंबई का आर्थिक केंद्र भी गुजरात ले जाया गया है। हम सिर्फ सत्ता के लिए नहीं लड़ रहे हैं, बल्कि हमारी लड़ाई महाराष्ट्र की लूट के खिलाफ है

इंदौर में नेटवर्क मार्केटिंग के नाम पर ठगी

एमडी सहित दो पर केस; अकाउंट में हजारों रुपए जमा कराने के बाद धमकाया

इंदौर के किशनगंज थाने में नेटवर्क मार्केटिंग के नाम पर धोखाधड़ी और बंधक बनाने का मामला आया है। शनिवार को करीब 6 लोगों ने थाने पहुंच शिकायत दर्ज कराई। पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि कंपनी के लोगों ने उन्हें मार्केटिंग के नाम पर जॉब पर रखा और चैनल बनाने के लिए प्रताड़ित करने लगे। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर मामला जांच में लिया है।

किशनगंज पुलिस के मुताबिक दीपक कुमावत निवासी बरखेड़ा, गोपाल कुमावत, नवीन कुमावत, लोकेश कुमावत, रितेश कुमावत, मयंक पाटीदार, दीपक साकलेचा की शिकायत पर एथेरिक डायनामिक मैक्स पीवीटी लिमिटेड के एमडी दीपक राजपूत और दुर्गेश पंवार पर केस दर्ज कराया है।

पुलिस के मुताबिक पीड़ितों ने अपने बयान में बताया कि कंपनी ने महू रोड पर कंपनी का ऑफिस खोलने के बाद यहां जॉब के लिए लोगों को बुलाया और चैन सिस्टम से रुपए जमा करवाए। पीड़ित दीपक सहित अन्य लोगों ने बताया कि एमडी दीपक और दुर्गेश महाराष्ट्र से है।

उसे 6 जुलाई 2024 को उन्होंने मार्केटिंग का काम करने को लेकर बुलाया। शर्तों के हिसाब से बताया गया कि हर माह 15 हजार प्रतिमाह और रहना खाना कंपनी की तरफ से होगा। कंपनी में ज्वाइनिंग से पहले 47 हजार रुपए जमा कराए गए।

कंपनी में जाकर देखा तो पता चला कि एक दूसरे को जोड़ने का काम किया जाता है। कंपनी के कर्मचारियों को लोगों को बुलाने के लिए बुलाने के लिए कहा गया। अगर कोई व्यक्ति बुलाने पर नहीं आता तो हम पर दबाव बनाते। कर्मचारियों को डराया- धमकाया जाता है।

उन्होंने कई कागजों पर बिना कहे साइन करवा लिए और बाद वीडियो बनाए। जिसमें कंपनी से कहीं ओर नहीं जाने की बात कही। हमें सैलरी भी समय पर नही दी। यहां आने के बाद 24 घंटे में एक बार खाना दिया जाता। एक समय का खाना अपने खर्च से खाने की बात कही जाती।

कई बार कर्मचारी के साथ मारपीट की जाती। इन सब बातों से प्रताड़ित होकर कंपनी से निकलकर साथियों से बात कर थाने आकर शिकायत की। पुलिस ने इस मामले में आरोपी पर केस दर्ज किया है।

हत्या-हमले का बदला लेने के लिए चाकू मारा- परदेशीपुरा में गैंगवार की आशंका, दोनों गैंग की पुरानी दुश्मनी

इंदौर के परदेशीपुरा में एक बार फिर गैंगवार सामने आई है। यहां बदमाशों ने मिलकर दोस्त की हत्या करने वाले अल्फेज पर चाकुओं से हमला कर दिया। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हमले में युवक का चाचा भी घायल हुआ है। सूत्रों का दावा है कि इस घटना के बाद क्षेत्र में गैंगवार की आशंका बढ़ गई है।

परदेशीपुरा पुलिस के मुताबिक घटना नंदा नगर की है। यहां रविवार रात में खजराना से मीट शॉप बंद कर घर आ रहे गब्बर कुरैशी और अल्फेज पर अमन बुंदेला निवासी लाल गली और उसके साथियों ने चाकुओं व बेसबॉल के डंडे से हमला कर दिया।

गब्बर ने बताया कि आरोपी उनकी मोपेड के सामने आ गए। अचानक रास्ता रोका ओर ताबड़तोड़ चाकू के वार करने लगे। नजदीक ही बीजेपी नेता नीरज शर्मा का घर था। उन्होंने बचने के लिए शर्मा के घर की ओर दौड़ लगा दी। इससे पहले बदमाश अल्फेज पर दो और गब्बर पर एक चाकू से वार कर चुके थे। गब्बर ने कहा कि अमन ने हमारे पास रखे 28 हजार रुपए भी ले लिए।

ट्रांसपोर्टर की हत्या कर चुका है अल्फेज

अल्फेज जूनी इंदौर इलाके में पिछले साल खाचरौद ट्रांसपोर्ट के संचालक सचिन शर्मा हत्याकांड में शामिल था। इस हत्याकांड में अल्फेज सहित पांच आरोपी थे। इसके बाद उसे जेल हो गई थी। जेल से छूटने के बाद अल्फेज ने परदेशीपुरा में दोस्तों के साथ एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया था। यह युवक अमन और सचिन का दोस्त था। पुलिस का कहना है कि दोनों गैंग के बीच सचिन शर्मा की हत्या के बाद से ही दुश्मनी चली आ रही है।

थाने का हो चुका है घेराव

पुलिस का कहना है कि अल्फेज ने जब हमला किया था वह चुनाव का वक्त था। इसके बाद बजरंग दल ने परदेशी पुरा थाने पर प्रदर्शन किया था। इसमें टीआई पकंज द्विवेदी को हटाने की मांग की गई थी। अफसरों ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

बुलेट फिसलने से किसान की मौत-घर लौटते समय हादसा, दोस्त बोले कुछ समय पहले खरीदी थी

इंदौर धार रोड पर एक हादसे में किसान की मौत हो गई। दोस्तों ने बताया कि वह माताजी का पंडाल देखने आया था। रात में अपने घर जा रहा था तभी उसकी बुलेट फिसल गई। सिर में चोट आने से वह गंभीर घायल हो गया।

पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक विजय (32) पुत्र संतोष निवासी ग्राम माचल की सड़क हादसे में मौत हो गई। रविवार रात वह विजय की बुलेट फिसलने से वह हादसे का शिकार हो गया। दोस्तों ने बताया कि उसने कुछ दिन पहले ही नई बुलेट ली थी, संभवतः वह संभाल नहीं पाया और हादसे का शिकार हो गया।

रविवार रात में वह माताजी का पंडाल देखने आया था। इसके बाद वह वापस अपने घर जा रहा था। विजय के परिवार में उसके दो बच्चे और पत्नी है। वह पेशे से किसान है। पुलिस हादसे को लेकर जांच कर रही है।

इंदौर में ट्रांसपोर्ट संचालक की हत्या, 15 दिन पहले हुआ था विवाद

इंदौर में एक ट्रांसपोर्ट संचालक की चाकू गोदकर हत्या कर दी। हमलावरों की संख्या 5 थी। इनमें से एक भाजपा नेता का समर्थक है। मामला आपसी रंजिश का है। जूनी इंदौर पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में ले लिया। हत्याकांड के आरोपियों के घर पर लोगों ने पथराव कर दिया। इसमें सूचना के बाद भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

युवक की धमकी से परेशान नाबालिग ने किया सुसाइड-मैसेंजर पर मिली चैट, पुलिस जांच में जुटी

इन्दौर । भागीरथपुरा में रहने वाली 17 साल की एक नाबालिग ने रविवार शाम अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। उसे देवास का एक युवक परेशान कर रहा था। रविवार को उसने सोशल मीडिया पर धमकियां भी दीं। नाबालिग अपने घर आई छोटे भाई को बाहर भेजा और फिर फंदे पर झूल गई।

बाणगंगा पुलिस के मुताबिक 17 साल की एक नाबालिग ने सुसाइड कर लिया। रविवार शाम वह घर पर पहुंची और अपने 12 साल के भाई को गुस्से में बाहर निकाला और दरवाजा लगाकर फंदे पर झूल गई। बाद में भाई ने काफी देर तक आवाज लगाई तो आसपास के लोगों ने उसका शव फंदे पर लटके देखा।

देवास का लड़का दे रहा था धमकी

परिवार ने बताया कि नाबालिग को देवास में रहने वाला गोलू उर्फ ऋषभ वर्मा नाम का लड़का धमकी दे रहा था। वह उसे अपने साथ रखने और शादी को लेकर दबाव बना रहा था। परिवार ने जब लड़की का मोबाइल देखा तो उस पर धमकी भरी कई चैटिंग मिली। इसकी जानकारी पुलिस को भी दी है।

परिवार के मुताबिक नाबालिग उसके साथ दो साल से संपर्क में थी। करीब छह माह पहले गोलू उसे अपने साथ ले गया था। इस मामले में बाणगंगा थाने में केस दर्ज कराया गया था। बाद में लड़की को समझाइश देकर वह अपने साथ लेकर आ गए थे। लेकिन गोलू पीछा नंही छोड़ रहा था।

लड़के के बहन के आते रहे कॉल

लड़की के मामा ने बताया कि फांसी लगाने के बाद गोलू की बहन के कई मिस कॉल मृतिका के मोबाइल पर आए थे। जब परिवार वालों ने उसका फोन उठाया तब भी उसके मोबाइल पर गोलू की बहन के कॉल आते रहे। बाद में परिवार ने लड़की की मौत की जानकारी दी तो कॉल करने वाली लड़की ने अपना मोबाइल बंद कर लिया।

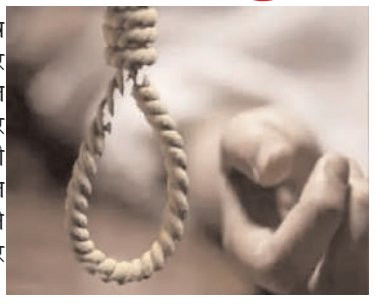

तीन बहनें, एक भाई

नाबालिग के परिवार में माता-पिता मजदूरी करते हैं। उसकी एक बड़ी बहन है और छोटा भाई व बहन है। पुलिस ने नाबालिग लड़की का मोबाइल जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

अंक 33 से आगे...

श्री माताजी के अवतरण का उद्देश्य और उनकी क्रांतिकारी खोज

मैंने पाया कि मेरा पूर्ण अस्तित्व महान शान्ति एवं आनन्द से सरोबार हो गया था।

5 मई 1970 को भारत में नारगोल के समुद्र तट पर घटित होने वाली इस घटना का वर्णन बाद में श्री माताजी ने इस प्रकार किया है-

'' ज्यों ही सहस्त्रार खुलास,पूरा वातावरण अद्भुत चैतन्य से भर गया और आकाश में तेज रोशनी हुई तथा सभी कुछ मूसलाधार वर्षा या झरने की तरह पूरी शक्ति से पृथ्वी की ओर आया, मानो मैं इसके प्रति चेतन ही नही थी,संवेदन शून्य हो गई । ये घटना इतनी अद्भुत थी और इतनी अनपेक्षित थी कि मैं स्तब्ध रह गई और इसकी भव्यता ने मुझे एकदम मौन कर दिया।

आदि कुण्डलिनी को मैंने एक बहुत बड़ी भट्टी की तरह से ऊपर उठते देखा,ये भट्टी एकदम शांत थी परन्तु ये अग्नि की तरह लाल थी,मानों किसी धातु को तपाकर लाल कर लिया है और इससे नाना प्रकार के रंग विकीर्णित हो रहे हैं।

देवी देवता आए और अपने-अपने सिंहासनों पर बैठते चले गए स्वर्णिम सिंहासनों पर और फिर उन्होंने पूरे सिर को इस तरह उठाया मानो गुम्बद हो और इसे खोल दिया, तत्पश्चात् इस मूसलाधार वर्षा ने मुझे सराबोर कर दिया।

मैं यह सब देखने लगी और आनन्द मग्न हो गई । ये सब ऐसा था मानो कोई कलाकार अपनी ही कृति को निहार रहा हो और मैंने महान संतुष्टि के आनन्द का एहसास किया।

इस सुन्दर अनुभव को प्राप्त करने के बाद मैंने अपने चहुँ और देखा और और पाया कि मानव कितने अंधकार में है, और मैं एकदम चुप हो गई। मेरे तन में इच्छा हुई कि मुझे कुछ ऐसे प्याले(पात्र)मिलने चाहिए जिनमें मैं यह अमृत भर सकूं केवल पत्थरों पर इसे न डालूँ ।

मुझे लगा कि अब मैं सहस्त्रार को खोल सकती हूँ। मैं अभिभूत हो उठी क्योंकि मैं यह बात जानती थी कि मनुष्यों के सहस्त्रार खुले न होने के कारण वे अँधेरे में विचरण कर रहे हैं और इसी कारण से सारी समस्यायें थीं। उनके सहस्त्रार यदि खुल जायें उनका संबंध यदि परमेश्वरी शक्ति से हो जाये तो इस सभी समस्याओं का समाधान हो जायेगा हर प्रकास की समस्या का हल हो जायेगा और सभी के जीवन खुशियो से भर जायेंगे-ये बात मैंने महसूस की। **इससे मैं बहुत प्रसन्न हुई और आनंद से झूम उठी,परंतु किसी ने मुझे नही समझा। मैं नही जानती क्यों?** शायद लोगों ने सोचा कि मैं कोई मूर्खता पूर्ण बात कर रही हूँ। किसी ने भी नही समझा कि ये क्या है क्योंकि शास्त्रों में कुंडलिनी के विषय में कुछ स्पष्ट नहीं लिखा गया है।

''सहस्त्रार का वर्णन किसी भी धर्मग्रन्थ में नही किया गया,यद्यपि इसके विषय में बातचीत तो कि परंतु किसी ने इसका वर्णन नही किया केवल इतना सा भी वर्णन कर दिया होता तो मेरे लिए लोगों को समझाना सुगम हो गया होता कि उस ग्रंथ में ऐसा लिखा है। लोग इस बात को पसन्द करते हैं कि हर बात किसी ग्रन्ध में लिखी होनी चाहिए तभी वे उसे स्वीकार करते है। स्थिति काफी कठिन थी क्योंकि किसी ने आज तक सामूहिक आत्मसाक्षात्कार न दिया था। ''

मैंने सभी की जीवनियाँ पढ़ी है सभी संतों के विषय में पढ़ा है परंतु ऐसा लगता है कि उनमें से कोई भी न जानता था कि कुंडलिनी को कैसे जागृत किया जाये। ये मूल समस्या थी वे नही जानते थे कि किस प्रकार कुंडलिनी को उठाया जाए। हो सकात है उनमें यह शक्ति ही न हो या इसका ज्ञान ही न हो । ठीक है उन्होंने कुंडलिनी की बात की परंतु कुंडलिनी को उठाना वे न जानते हों....

मैं तो मात्र एक गृहिणी हूँ जिसे किसी का भी आश्रय न था परंतु मैं विश्वस्त थी कि यह खोज निकालना मेरा कार्य है कि सहस्त्रार का भेदन किस प्रकार किया जाये । बाहर जो भी हालात जो भी स्थिति थी मेरा कार्य लोगों का सहस्त्रार भेदन की विधि खोजनी थी और वह मैंने किया ।

अंतत: श्री माताजी ने मनुष्यों की कुंडलिनी जागृत करने की सरल विधि खोज ही ली और अपनी इस क्रांतिकारी खोज को सहजयोग नाम दिया ।

जब साधक की कुंडलिनी जागृत हो जाती है तब वह ऊपर उठकर उसके अंतिम चक्र सहस्त्रार का भेदन करती है और साधक का योग चारों और व्याप्त परम चैतन्य की शक्ति से हो जाता है। इस योग के बाद उसको अपने सिर के तालु भाग एवं हाथ पैर की उँगलियों के पोरों से बहती हुई शीतल हवा का अनुभव होता है यही आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त होता है।

सर्वपितृ अमावस्या पर कर रहे हैं पितरों का श्राद्ध, तो गरुड़ पुराण के इन 5 श्राद्ध नियमों के बिना पूरी नहीं हो पाएगी श्राद्ध पूजा

गरुड़ पुराण श्राद्ध नियम- सर्वपितृ अमावस्या 2 अक्टूबर, बुधवार को है। आप अगर पितृ अमावस्या पर पितरों का श्राद्ध कर रहे हैं, तो आपको श्राद्ध से जुड़े कुछ विशेष नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। खासकर गरुड़ पुराण में लिखे श्राद्ध के भोजन नियम बहुत ही विशेष हैं। इन नियमों के अनुसार ही आपको पितरों का श्राद्ध करना चाहिए, तभी आपके पितरों की आत्मा को शांति मिल पाएगी। आइए, जानते हैं श्राद्ध भोजन से जुड़े 5 विशेष नियम।

सर्वपितृ अमावस्या इस साल 2 अक्टूबर, बुधवार को है। इस दिन ज्यादातर लोग अपने पितरों का तर्पण करते हैं। गरुड़ पुराण सहित कई पुराणों में बताया गया है कि पितरों का श्राद्ध करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। आप भी अगर सर्वपितृ अमावस्या पर अपने पितरों का तर्पण, श्राद्ध कर रहे हैं, तो आपको श्राद्ध भोजन से जुड़े कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए, जिससे कि आपके पितरों की आत्मा को मुक्ति मिल सके।

केले के पत्ते पर न कराएं श्राद्ध भोजन

पितृपक्ष में अगर आप पितरों का श्राद्ध कर रहे हैं, तो आपको केले के पत्ते पर श्राद्ध का भोजन नहीं परोसना चाहिए क्योंकि श्राद्ध का भोजन केले के पत्ते पर नहीं परोसा जाता है। आप चांदी, कांसे, तांबे के बर्तनों में भोजन परोस सकते हैं। वहीं, पत्तल पर भोजन परोसना भी शुभ माना जाता है।

श्राद्ध भोजन में करें तिल का इस्तेमाल

पितरों के श्राद्ध के लिए भोजन बनाते समय तिल का प्रयोग भी अवश्य किया जाना चाहिए क्योंकि तिल श्राद्ध भोजन की रक्षा पिशाचों से श्राद्ध की रक्षा करते हैं। इसके अलावा श्राद्ध भोजन में गंगाजल, शहद, दूध का प्रयोग भी जरूर करना चाहिए।

श्राद्ध के समय दरवाजे पर कोई आए तो कराएं भोजन

आप अगर पितरों के लिए श्राद्ध भोजन का आयोजन कर रहे हैं या फिर आपके घर ब्राह्मण भोज कर रहे हैं और उसी समय आपके द्वार पर कोई भूखा या भिखारी भोजन की मांग करता है, तो उस व्यक्ति को सबसे पहले भोजन कराएं। ऐसा करने से पितरों की असीम कृपा मिलती है। गरुड़ पुराण के अनुसार पितृपक्ष में पितर किसी भी रूप में धरती पर आ सकते हैं।

पशु-पक्षियों को भोजन भी अवश्य कराएं

श्राद्ध का भोजन पितरों और ब्राह्मणों के लिए निकालने के साथ ही पशु-पक्षियों को भी श्राद्ध का भोजन अवश्य कराना चाहिए। इससे पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। पौराणिक मान्यता है कि पशु-पक्षियों पर भगवान की कृपा होती है और किसी भी ऊर्जा को वे पहले पहचान लेते हैं इसलिए गाय, कुत्ता, बिल्ली, कौआ आदि को भोजन दें। पितर किसी भी रूप में धरती पर आ सकते हैं।

रात्रि और शाम के समय कभी न कराएं श्राद्ध भोजन

पितरों की आत्मा के लिए बहुत जरूरी है कि आप अपने पितरों का श्राद्ध सुबह या दोपहर के समय ही करें। श्राद्ध का भोजन कभी भी शाम और रात्रि के समय नहीं कराना चाहिए। मान्यता है कि शाम और रात्रि के समय भटकती अतृप्त आत्माएं विचरण के लिए निकलती हैं इसलिए शाम और रात्रि के समय श्राद्ध भोजन कराना शुभ नहीं माना जाता है।

मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से किया जाएगा सम्मानित, पीएम मोदी ने दी बधाई

मिथुन चक्रवर्ती को दादासाहब फाल्के पुरस्कार से किया जाएगा सम्मानित मिथुन चक्रवर्ती को दादासाहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित जाएगा. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बात की जानकारी एक्स पर दी है.

नई दिल्ली- बॉलीवुड सुपरस्टार मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित जाएगा. कुछ देर पहले घोषणा की गई कि दादा साहब फाल्के चयन निर्णायक मंडल ने मिथुन चक्रवर्ती को भारतीय सिनेमा में उनके विशिष्ट योगदान के लिए पुरस्कार देने का निर्णय लिया है. मिथुन चक्रवर्ती, जिन्हें बॉलीवुड का पहला डिस्को डांसर कहा जाता है. उन्होंने फिल्मी दुनिया में हीरोज के डांसिंग अंदाज को नए तरीके से पेश किया. जिसे लोगों ने अपना खूब प्यार दिया है. वहीं भारत ही नहीं रूस, चीन और जापान जैसे कई देशों में भी उन्हें खूब प्यार मिला है. वहीं कई फैंस उन्हें जिमी के नाम से पुकारना पसंद करते हैं.

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ऐलान करते हुए एक्स पहले ट्विटर पर लिखा, मिथुन दा की उल्लेखनीय सिनेमाई जर्नी पीढ़ियों को प्रेरित करती है! यह घोषणा करते हुए मुझे गर्व हो रहा है कि दादा साहब फाल्के चयन जूरी ने महान अभिनेता श्री मिथुन चक्रवर्ती जी को भारतीय सिनेमा में उनके प्रतिष्ठित योगदान के लिए पुरस्कार देने का फैसला किया है. 8 अक्टूबर, 2024 को 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जाएगा.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिथुन चक्रवर्ती को दादासाहब फाल्के सम्मान दिए जाने के ऐलान पर उन्हें बधाई दी है. पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा है, %मुझे खुशी है कि श्री मिथुन चक्रवर्ती जी को भारतीय सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित दादासाहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. वे एक सांस्कृतिक प्रतीक हैं, जिन्हें उनकी बहुमुखी प्रतिभा के लिए पीढ़ियों से सराहा जाता रहा है. उन्हें बधाई और शुभकामनाएं.

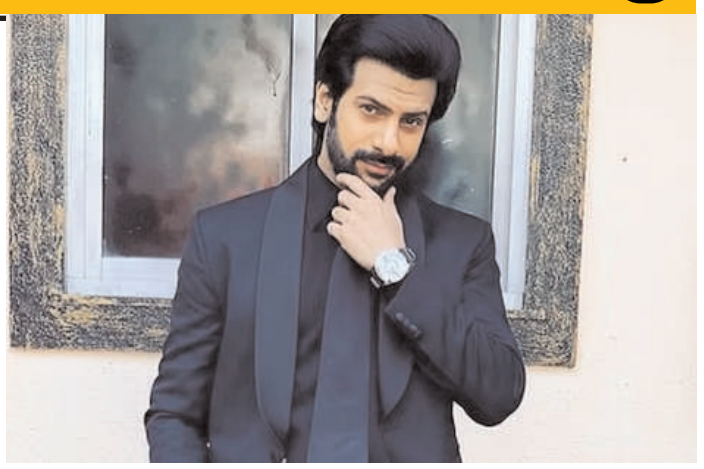

खतरों के खिलाड़ी 14 के विजेता बने करण वीर, कृष्णा-गश्मीर को हराकर जीती शो की ट्रॉफी

स्टंट आधारित शो %खतरों के खिलाड़ी 14% का आज फिनाले हुआ और इसे आज अपना विजेता मिल गया। टॉप 3 फाइनलिस्ट कृष्णा श्रॉफ, गश्मीर महाजनी, करण वीर मेहरा शो के बीच आखिरी स्टंट का मुकाबला हुआ, जिसे जीतकर करण वीर ने शो की ट्रॉफी अपने नाम की। कृष्णा श्रॉफ दूसरे स्थान पर आईं और गश्मीर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

करण वीर को मिला ये पुरस्कार

खतरों के खिलाड़ी 14 के विजेता की तरफ करण वीर ने हासिल की है। अब वह खतरों के खिलाड़ी बन चुके हैं। इस जीत के साथ उन्होंने ट्रॉफी तो अपने नाम की ही, लेकिन इसके साथ उन्हें बड़ा पुरस्कार पैकेज घर ले जाने के लिए मिला। उन्होंने 20 लाख रुपये और एक नई हुंडई कार भी जीती।

विवाह पूर्व कुंडली मिलान से ज्यादा जरूरी है सिकल सेल कार्ड का मिलान - राज्यपाल श्री पटेल

सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग शिविर में शामिल हुए राज्यपाल

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय छात्रावास में हुआ स्क्रीनिंग शिविर

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि स्वस्थ पीढ़ी के लिए विवाह पूर्व जन्म कुंडली मिलान से ज्यादा जरूरी सिकल सेल जेनेटिक काऊंसलिंग कार्ड का मिलान करना है, क्योंकि यदि सिकल सेल रोगी और वाहक आपस में विवाह करते हैं, तो निश्चित ही उनकी सन्तान सिकल सेल रोग से ग्रसित होगी। यदि पति-पत्नी दोनों इस रोग के वाहक हैं, तो भी उनकी भावी सन्तान सिकल सेल से प्रभावित होगी, इसकी ज्यादा संभावना रहती है। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल एनीमिया रोगियों को अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखने और अपने घर का पका भोजन ही करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्ति अपनी दिनचर्या में नियमित पौष्टिक आहार, योग और व्यायाम को शामिल करें।

राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय के छात्रावास में आयोजित सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग शिविर को संबोधित कर रहे थे। जनजातीय कार्य विभाग और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस स्क्रीनिंग शिविर में जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह भी उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम के लिए गर्भधारण के पूर्व और गर्भावस्था में भी मेडिकल काऊंसलिंग बहुत जरूरी है। अब जन्म के 72 घंटों में सिकल सेल का पता लगने पर नवजात शिशुओं के विशेष उपचार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए विशेष प्रयास कर रही हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने संबंधित विभागों को सिकल सेल स्क्रीनिंग के लिए लक्षित प्रत्येक व्यक्ति की अत्यंत गंभीरता से स्क्रीनिंग कराने के निर्देश दिए।

सिकल सेल जागरूकता के लिए बेटियाँ आगे आयें

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मातृ-शक्ति का विशेष महत्व है। सिकल सेल उन्मूलन के लिए बेटियों का योगदान जरूरी है। उन्होंने कहा कि सिकल सेल जागरूकता के लिए बेटियां

आगे आयें और अपने करीबियों, रिश्तेदारों व आस-पड़ौस के लोगों को इस रोग के बारे में बताएं और रक्त की जांच कराने को कहें। राज्यपाल श्री पटेल ने उपस्थित जनों से अपील की कि सिकल सेल रोग के लक्षण, रोकथाम और उन्मूलन के प्रयासों में हर व्यक्ति सक्रिय योगदान करे। मानवता की सेवा के इस पुनीत कार्य के प्रति हमेशा संवेदनशील रहें। उन्होंने 2047 तक भारत को सिकल सेल एनीमिया से मुक्त बनाने के संकल्प के लिए सामूहिक सहभागिता का आहवान किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन और जनजातीय वीर नायकों के छायाचित्रों पर माल्यार्पण के साथ किया। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह और कन्या महाविद्यालय छात्रावास की बालिकाओं ने राज्यपाल श्री पटेल का पुष्प-गुच्छ भेंट कर आत्मीय अभिनंदन किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री पटेल ने कन्या महाविद्यालय छात्रावास की छात्राओं को उपहार भी दिये।

व्यवस्था करेंगे कि हर छात्रावास में एक नर्स हर महीने विद्यार्थियों की जांच करें

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के सिकल सेल उन्मूलन मिशन में राज्यपाल श्री पटेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्री शाह ने जनजातीय हितों के लिए राज्यपाल श्री पटेल के मार्गदर्शन में राजभवन में स्थापित किए गए जनजातीय प्रकोष्ठ% की मुक्त-कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्यपाल श्री पटेल जनजातीय वर्ग के प्रति अत्यंत ही संवेदनशील हैं। श्री पटेल के प्रयासों से ही प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन का कार्य मिशन मोड पर तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से हम ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं कि प्रदेश के प्रत्येक अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के सभी छात्रावासों में एक नर्स हर महीने जायेगी और छात्रावासी बच्चों के रक्त की जांच करेगी।

72 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी

स्क्रीनिंग कैम्प में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की उप संचालक डॉ. रूबी खान ने स्क्रीनिंग शिविर के उद्देश्यों और सिकल सेल रोग के लक्षणों, रोग की पहचान, रोकथाम एवं उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत अब तक प्रदेश में 72 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। मिशन के लक्ष्य के तहत एक करोड़ लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग की जानी है। कार्यक्रम में कन्या महाविद्यालय छात्रावास की सिकल सेल एनीमिया पॉजिटिव छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन जनजातीय कार्य विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. ई. रमेश कुमार ने दिया। आभार जनजातीय कार्य विभाग के संभागीय उपायुक्त श्री नरोत्तम वरकडे ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में राजभवन के जनजातीय प्रकोष्ठ के सचिव श्री अमरपाल सिंह, जनजातीय कार्य विभाग की उप सचिव एवं संचालक, जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजनाएं श्रीमती वंदना वैद्य, प्रभारी निदेशक बी.एम.एच.आर.सी. श्रीमती मनीषा श्रीवास्तव, जनजातीय और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कन्या महाविद्यालय छात्रावास की छात्रायें और उनके अभिभावक भी मौजूद थे।

कार्यक्रम के उपरांत राज्यपाल श्री पटेल एवं मंत्री डॉ. शाह ने कन्या महाविद्यालय छात्रावास का अवलोकन कर यहां छात्राओं को दी जा रही सुविधाओं व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया।

यशस्वी जायसवाल ने तोड़ा वीरेंद्र सहवाग का 16 साल पुराना कीर्तिमान, ऋषभ पंत अभी भी नंबर वन

यशस्वी जायसवाल ने आज कानपुर में बांग्लादेश के खिलाफ तूफानी पारी खेलकर वीरेंद्र सहवाग के करीब 16 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। हम यहां टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की बात कर रहे हैं।

भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जा रहा टेस्ट मुकाबला काफी रोचक हो चला है। बांग्लादेश को 233 रनों पर आउट करने के बाद जब टीम इंडिया बल्लेबाजी के लिए उतरी तो कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने आक्रामक रुख अख्तियार किया। दोनों ने मिलकर एक ऐसा कीर्तिमान रच दिया, जो इससे पहले टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में कभी हुआ ही नहीं था। इतना ही नहीं यशस्वी जायसवाल ने तो इतनी तूफानी बल्लेबाजी की कि वीरेंद्र सहवाग भी उनसे पीछे रह गए। इससे समझा जा सकता है कि भारतीय टीम किस तरह के इंटेंट के साथ मैदान में उतरी है।

ऋषभ पंत के नाम है टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेज अर्धशतक

टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाजों की बात की जाए तो वहां पर ऋषभ पंत पहले नंबर पर हैं। उन्होंने साल 2022 में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में केवल 28 बॉल पर अर्धशतक लगाने का काम किया था। जो रिकॉर्ड अभी तक टूटा नहीं है। हालांकि जायसवाल ने अपने 48 रन केवल 27 बॉल पर ही बना लिए थे, यानी उनके पास नंबर वन बनने का मौका था, लेकिन वे चूक गए।

कपिल देव ने तो साल 1982 में ही रचा था इतिहास

ऋषभ पंत के बाद अगर दूसरे बल्लेबाज की बात जाए तो वहां पर कपिल देव का नाम आता है। उन्होंने साल 1982 में पाकिस्तान के खिलाफ केवल 30 बॉल पर अपना अर्धशतक पूरा किया था। कपिल देव ने उस जमाने में ये काम किया था, जब टेस्ट क्रिकेट में ऐसा करने के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। कई साल तक उनके नाम ये कीर्तिमान रहा, इसके बाद साल 2022 में जाकर कहीं पंत उनसे आगे निकलने में कामयाब हुए थे।

यशस्वी जायसवाल और शार्दुल ठाकुर अब बराबरी पर

कपिल देव के बाद अब तीसरे नंबर पर यशस्वी जायसवाल आ गए हैं। हालांकि वे इस नंबर पर अकेले नहीं हैं। इससे पहले साल 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ शार्दुल ठाकुर ने केवल 31 बॉल पर टेस्ट में अपना अर्धशतक पूरा? किया था। अब जायसवाल भी वहीं पर आकर खड़े हो गए हैं। वहीं बात अगर वीरेंद्र सहवाग की करें तो उन्होंने साल 2008 में इंग्लैंड के खिलाफ केवल 32 बॉल पर 50 रन बनाने का किया था। इस तरह से देखें तो जायसवाल ने जहां आज जहां शार्दुल ठाकुर की बराबरी की है, वहीं वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है।

72 रन बनाकर आउट हो गए जायसवाल

यशस्वी जायसवाल ने अपना अर्धशतक तो तेजी के साथ पूरा कर लिया, लेकिन वे तेजी पारी खेलने के प्रयास में अपना शतक पूरा नहीं कर पाए और आउट हो गए। जायसवाल ने अपनी तूफानी पारी के दौरान 51 बॉल पर 72 रन बनाए। इसमें 12 चौके और दो छक्के शामिल रहे। रोहित शर्मा ने भी केवल 11 बॉल पर ही 23 रन की धांसू पारी खेली और आउट होकर चले गए। मैच में मंगलवार आखिरी दिन है, ऐसे में देखना होगा कि मुकाबला किस ओर जाता है।

रवींद्र जडेजा का अद्भुत कारनामा, एक ही विकेट लेकर रचा नया इतिहास

भारत और बांग्लादेश के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में चौथे दिन आखिरकार खेल शुरू हो पाया। मैच शुरू हुआ और भारतीय खिलाड़ियों ने नए नए कीर्तिमान भी बनाने शुरू कर दिए। बांग्लादेश के खिलाफ आज टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ियों में से एक रवींद्र जडेजा को एक ही विकेट मिला, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने नया करिश्मा कर दिया है। वे अब भारतीय टीम के महानतम कप्तानों में से एक कपिल देव और रविचंद्रन अश्विन की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

रवींद्र जडेजा को आज कानपुर में मिला केवल एक ही विकेट

कानपुर टेस्ट की शुरुआत को 27 सितंबर को ही हो गई थी, लेकिन पहले ही दिन बारिश के कारण मैच रोक देना पड़ा। इसके बाद दूसरे और तीसरे दिन तो हालात ऐसे रहे कि एक भी बॉल का खेल नहीं हो पाया। आज यानी चौथे दिन समय से मैच शुरू हुआ और इसके बाद दूसरे सेशन में भारतीय गेंदबाजों ने बांग्लादेश की पूरी टीम को आउट कर दिया। पूरी टीम मिलकर केवल 233 रन ही बना सकी। इस बीच बांग्लादेश की पारी का आखिरी विकेट रवींद्र जडेजा ने लिया। उन्हें मैच में एक ही विकेट मिला, लेकिन ये ऐतिहासिक मुकाबला रहा। ये उनका 300वां टेस्ट विकेट था। अब वे भारत के उन चुनिंदा प्लेयर्स की लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट लेने के साथ ही तीन हजार से ज्यादा रन भी बनाए हैं।

टीम इंडिया के पास रिकॉर्ड बनाने के मौके

भारत और बांग्लादेश के बीच मैच में अब रिजल्ट निकलना तो काफी मुश्किल काम है, लेकिन इतना जरूर है कि भारतीय टीम के पास कुछ नए कीर्तिमान बनाने का मौका जरूर रहेगा। वैसे तो भी अब दो ही दिन का खेल बचा हुआ है। जिसमें चार पारियां हो पाना करीब करीब असंभव है, लेकिन अगली सीरीज के लिए प्रैक्टिस का मौका जरूर रहेगा।

अच्छी मुस्कुराहट के लिए इम्प्लांट का सहाराऽइससे हॉलीवुड-बॉलीवुड स्टार की तरह मुस्कुराहट भी संभव

अब सिर्फ डेंटिस्ट्री में ही नहीं बल्कि मेडिकल फील्ड में मोबाइल फोटोग्राफी जरूरी हो गई है। क्योंकि डॉक्यूमेंट, केसेस वर्चुअल प्रूफ रहते हैं। फोटोग्राफी से वर्क इम्प्रूवमेंट होता है। साथ ही स्किल डेवलपमेंट होता है। आपकी गलतियां आपको पता चलती है। लम्बे समय तक उसे मेडिकल प्रूफ के तौर पर यूज कर सकते हैं, खासकर लीगल केसेस में।

यह कहना है डॉ. आकाश अकिलवार (मुंबई) का। इंदौर में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरल इंप्लांटोलॉजिस्ट्स (ढ्ढस्ह्रढ्ढ) में उन्होंने इस बात पर खास जोर दिया। 'दैनिक भास्कर' से बातचीत में उन्होंने बताया कि वे वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर भी हैं और 13 साल से फोटोग्राफी कर रहे हैं।

बतौर डेंटिस्ट्री में 10 सालों से फोटोग्राफी कर रहे हैं। 7 साल से देशभर के डॉक्टरों को फोटोग्राफी सिखाते हैं। अब तक 2 हजार को सिखा चुके हैं। वे इम्प्लांट भी 17 सालों से कर रहे हैं और फोटोग्राफी पर डेढ़ सौ से ज्यादा वर्कशॉप कर चुके हैं।

बॉलीवुड और हॉलीवुड स्माइल

साइंटिफिक चेयरमैन डॉ. शालीन खेत्रपाल और ऑर्गेनाइसिंग कमेटी के मेंबर डॉ.गगन जैसवाल ने कहा कि ग्लैमर वर्ल्ड में सभी अपनी स्माइल को लेकर बहुत सजग होते हैं। सेलिब्रिटी की स्माइल डिजाइन में बॉलीवुड और हॉलीवुड दो तरह के ट्रेंड हैं।

बॉलीवुड स्माइल में पूरे दांत दिखाई नहीं देते हैं जबकि हॉलीवुड स्माइल में पूरे दांत दिखाई देते हैं। यह अंतर ईस्ट और वेस्ट के जेनेटिक पैटर्न में अंतर के कारण प्राकृतिक रूप से होता है। पश्चिमी देशों में लोगों के दांत ज्यादा बड़े होते हैं जबकि भारत में छोटे।

ISOI के प्रेसिडेंट डॉ शरत शेट्टी ने कहा कि आज भी सिर्फ 10 प्रतिशत लोग ही डेंटल इम्प्लांट ट्रीटमेंट अफोर्ड कर पाते हैं। ओरल हेल्थ व्यक्ति के पूरे स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। सरकार को देश में ही इम्प्लांट से जुड़े उपकरण बनाने में मदद करना चाहिए।

भारत में इम्प्लांट बनाने वाली सिर्फ दो ही कंपनियां

डॉ. संदीप सिंह के मुताबिक भारत में हर साल 15 से 20 हजार डेंटिस्ट बन रहे हैं। यह दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा है। नए डेंटिस्ट को ओरल हेल्थ से जुड़े अपडेट्स और नॉलेज की जरूरत है। डॉक्टर्स की संख्या के साथ ही मार्केट का साइज भी बढ़ गया है।

भारत में इम्प्लांट का साइज 10त्र हो गया है, जो किसी भी देश से ज्यादा है। अब टेक्नोलॉजी का उपयोग करके इम्प्लांट किया जाता है। अभी 30 इम्प्लांट कंपनियां काम कर रहे है, जो विदेशी हैं। भारत में इम्प्लांट बनाने वाली सिर्फ दो ही कंपनियां हैं।

मॉडर्न किट से साइनस की गाइडेड सर्जरी

महाराष्ट्र से आए डॉ. राजेश जंबुरे ने बताया कि हम साइनस को भी लिफ्ट करना चाहते हैं, इसके लिए हड्डी और साइनस के बीच आर्टिफिशियल हड्डी डालते हैं। यह सामान्य फ्री हेंड सर्जरी में होती थी लेकिन अब आधुनिक किट से गाइडेड साइनस सर्जरी करते हैं। इसमें पहले मुंह के अंदर का माप लिया जाता है, इसकी डिजिटल प्लानिंग की जाती है। इसी प्लानिंग से प्रिंटेड गाइड बनकर आता है। इससे बिल्कुल सटीक जगह पर इम्पलांट होता हैं।

मरीज की बाइट सही होना जरूरी

डॉ. कोमल मजुमदार (मुंबई) ने बताया कि इम्प्लांट को लंबे समय तक बनाए रहने के लिए यह जरूरी होता है कि मरीज की बाइट सही है या नहीं। यदि बाइट बराबर नहीं तो इम्प्लांट फेल होने की संभावना रहती है। इसे देखने के लिए हम माप लेते हैं जिससे बाइट समझ में आती है।

तीन डिपार्टमेंट के कॉम्बिनेशन से होता है इम्प्लांट

डॉ. धुव्र अरोरा (दिल्ली) ने बताया कि नई हड्डी और टिशू बनाने में 50त्र मरीज की बॉडी और 50 प्रतिशत फॉरेन बॉडी का इस्तेमाल होता है। यदि मरीज अपने इम्प्लांट को अच्छा रखना चाहता है तो हर तीन या छह महीने में उसे डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

इससे मरीज का इम्प्लांट कभी खराब नहीं होगा। इम्प्लांट को लेकर भारत में जागरूकता की काफी कमी है। टीअर-1 और टीअर-2 शहरों में फिर भी काफी जागरुकता है। अगर एक दांत भी गिरता है तो वह डॉक्टर के पास आ जाते हैं, लेकिन गांवों में ऐसा नहीं है। जब उन्हें ज्यादा तकलीफ होती है तब ही वे डॉक्टर के पास जाते हैं।

ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ मनीष वर्मा ने बताया कि पहली बार शहर में हुई इस कांफ्रेंस ने सिर्फ डॉक्टर्स ही नहीं बल्कि आम जनता के बीच भी दांतों की देखभाल और इम्प्लांट्स के प्रति जागरूकता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खजराना मंदिर परिसर में जांच के लिए गए सैंपल- अन्न क्षेत्र और लड्डू निर्माण क्षेत्र का निरीक्षण, दुकानों के लड्डूओं सहित 17 सैंपलों की होगी जांच

खाद्य विभाग द्वारा रविवार को खजराना गणेश मंदिर परिसर में 17 सैंपल लिए। इनमें से 11 सैंपल अन्न क्षेत्र और 6 सैंपल दुकानों से लिए गए गए हैं। इन्हें जांच के लिए भोपाल लैब भेजा जाएगा।

अपर कलेक्टर गौरव बैनल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा अन्न क्षेत्र और लड्डू निर्माण स्थल की जांच की गई। समिति द्वारा करीब 60 किलो लड्डू रोज बेचे जाते हैं। यहां से लड्डू, घी, आटा, बेसन, तुवर दाल, मूंग दाल, राजमा, चावल, नमक के नमूने लिए गए।

मंदिर परिसर की अन्य छह दुकानों का निरीक्षण करते हुए लड्डू के सैंपल जांच लिए गए। नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल को जांच हेतु भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी मिलने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सरवटे-गंगवाल 5 बार भूमिपूजन, 300 निर्माण तोड़े, फिर भी 5 साल से सड़क अधूरी

शहर के दो बस स्टैंड सरवटे और गंगवाल को जोड़ने वाली अहम सड़क को अधूरा पड़े पूरे 5 साल हो गए हैं। ये प्रोजेक्ट 2017 में बनाया गया था। सरवटे से चंद्रभागा, पंढरीनाथ, मच्छी बाजार, बियाबानी होते हुए इसे गंगवाल बस स्टैंड तक बनना था। गंगवाल बस स्टैंड के आसपास कुछ हिस्से में तो यह सड़क बनी, पर जिस जूनी इंदौर वाले हिस्से को स्मार्ट एरिया बनाने के लिए यह प्रोजेक्ट बना था, वहीं 2019 से अधूरी है। यह सड़क पश्चिमी क्षेत्र को पूर्वी हिस्से से जोड़ने की योजना का हिस्सा थी।

इस प्रोजेक्ट के लिए नगर निगम 300 से ज्यादा मकान, दुकान और अन्यी नर्माण हटा चुका है। हद तो यह है कि 2017, 18, 19, 21, 2022 में कलालकुई से चंद्रभागा पुलिया तक का भूमिपूजन ही पांच बार हो चुका है। अब यह हाल है कि कहीं गड्ढों की गहराई बढ़ती जा रही है तो कहीं सड़क का टुकड़ा बना कर छोड़ दिया है।

चुनावों में वोट के लिए हर बार प्रत्याशी शुभारंभ की गैंती चला देते हैं। 9 करोड़ भी मिल गए, दो बार टेंडर भी बुला लिए पर कोई ठेकेदार नहीं मिला। तकनीकी समस्या यह है कि जब भी कोई ठेकेदार काम लेता है तो कभी भी पूरा नहीं कर पाता। सात साल में जिला प्रशासन यहां से बचे हुए अतिक्रमण नहीं हटवा पाया। धर्मस्थलों के कारण सड़क चौड़ी नहीं हो पाई। टुकड़ों-टुकड़ों में रोड बनी है लेकिन बाधक नहीं हटा पाए। अभी 8 से 10 धर्मस्थल यहां खड़े हैं।

जैसे ही सरवटे बस स्टैंड के अंडरपास से जूनी इंदौर की तरफ बढ़ते हैं तो 200 मीटर का उखड़ा-उखड़ा दिख जाएगा। इससे आगे बढ़ने पर बड़ा रावला के सामने गोपी सदन के पास सड़क का काम रोक दिया गया। यह हिस्सा कारों को पार्क करने के काम आ रहा है। निगम ने जो सड़क बनाई है, उसे देखकर लगता है कि वह कारों के लिए ही बनाई है।

यहां से थोड़ा आगे बढ़ने पर चिंतामण गणेश मंदिर के आसपास सड़क पर गिटि्टयां उड़ती रहती है। चंद्रभागा जूनी इंदौर वाली सड़क का भी ऐसा ही हाल है। पंढरीनाथ जाने वाली रोड पर नंदलाल पूरा के पास सड़क का डामर उखड़ चुका है। अब जैसे ही मच्छी बाजार की ओर जाते हैं तो वहां चौराहे पर ही गिट्टी डामर उखड़ गया है।

फर्नीचर वालों की दुकानें हैं जिन्होंने सड़क पर सामान रख अतिक्रमण कर रखा है। कड़ावघाट पर सीमेंट के पेंच उखड़ गए। स्मार्ट सिटी ने जो सड़क बनाई है, वहां बाइकों की कतार खड़ी दिख जाएगी। बीच में ऐसे कई हिस्से हैं जो खुदे हुए हैं। सिलावटपुरा में भी यहीं स्थिति है। हाथीपाला जूनी इंदौर में पोल शिफ्टिंग तक नहीं हुई। गंगवाल की सड़क बनी, लेकिन ड्रेनेज विभाग ने नई सड़क बनने के बाद उसे कई बार छलनी किया।

3.25 किमी है सरवटे-गंगवाल बस स्टैंड तक रोड
80 से 100 फीट तक चौड़ाई प्रस्तावित
750 बाधाएं थीं, कुछ अभी भी नहीं हटा पाए
21 करोड़ रुपए लागत थी इस प्रोजेक्ट की

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)